CORPORATE OFFICE
Delhi Office
706 Ground Floor Dr. Mukherjee Nagar Near Batra Cinema Delhi – 110009
Noida Office
Basement C-32 Noida Sector-2 Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

Yojna IAS
yojnaias.com
योजना है तो सफलता है

website : www.yojnaias.com
Contact No. : +91 8595390705

Date : 18 मई 2023

प्रधानमंत्री की हिरोशिमा यात्रा

संदर्भ- भारत के प्रधानमंत्री जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए हिरोशिमा की यात्रा कर रहे हैं। भारत के प्रथम पोखरण परीक्षण के बाद भारत के किसी भी प्रधान मंत्री द्वारा यह प्रथम जापान यात्रा है। इसके बाद देश के प्रधानमंत्री FIPIC में शामिल होंगे, यह भारतीय प्रधानमंत्री की पापुआ न्यू गिनी में पहली यात्रा होगी।

हिरोशिमा की त्रासदी-

- हिरोशिमा, जापान में स्थित एक नगर है। यह इतिहास में परमाणु बम त्रासदी के लिए जाना जाता है।
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर(1945) में परमाणु बम गिराया था।
- परमाणु बम के कारण सम्पूर्ण शहर नष्ट हो गया था जिसका प्रभाव आज भी जापान में देखने को मिलता है।
- इस विभीषिका के बाद जापान में परमाणु हथियारों के निषेध से संबंधित नीति अपनाई।

जापान की परमाणु अप्रसार नीति

- 1945 में अमेरिका द्वारा हिरोशिमा पर गिराए बम के विनाशकारी प्रभाव के कारण जापान ने 1968 में परमाणु अप्रसार नीति पर हस्ताक्षर किए थे तथा यह 1970 में प्रवर्तन में आया।
- अप्रसार नीति देशों को परमाणु ऊर्जा का प्रयोग हथियार के रूप में न करने के लिए प्रेरित करती है।
- अप्रसार नीति को 190 देशों ने स्वीकार किया है।
- नीति को स्वीकार करने वाले देशों में 5 देशों के पास नाभिकीय ऊर्जा वाले हथियार हैं।
- इस नीति में भारत, इजराइल, पाकिस्तान, दक्षिणी सूडान और उत्तर कोरिया देश शामिल नहीं हैं।

परमाणु अप्रसार नीति के मुख्य बिंदु

- परमाणु अस्त्र सम्पन्न राज्य, अस्त्र विहीन राज्यों को परमाणु प्रशिक्षण व तकनीक न दें।
- निरस्त्रीकरण नीति
- परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग

अप्रसार नीति में भारत

- भारत, अप्रसार नीति को भेदभाव मूलक मानता है।
- भारत के अनुसार, अप्रसार नीति में शस्त्रों के उपयोग पर रोक नहीं लगाई गई है। इसके कारण परमाणु हथियार रहित देशों के साथ भेदभाव हो सकता है।
- संधि के अनुच्छेद 1 में परमाणु हथियार सम्पन्न राज्यों को परमाणु के उपयोग व निर्माण को वैध माना है। जो परमाणु हथियार विहीन राज्यों के साथ भेदभाव को दर्शाता है। इसके द्वारा केवल 1967 में परमाणु शक्ति से सम्पन् राज्यों के पास ही परमाणु हथियार होंगे। जिससे वे अन्य देशों की शक्ति को कमजोर कर सकते हैं।
- नीति को अस्वीकार करने का एक कारण यह भी है कि 1962 में भारत चीन युद्ध में भारत की अत्यधिक अपमानजनक हार के बाद सीमा सुरक्षा के लिए परमाणु हथियारों को भारत के लिए आवश्यक माना जाने लगा।

भारत प्रशांत द्वीप सहयोग फोरम समिट

- इस सम्मेलन में भारत और 14 प्रशांत द्वीप समूह देश शामिल हैं। FIPIC को 2014 में प्रारंभ किया गया था।

- प्रशांत द्वीप समूह -फिजी, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, तुवालु, किरिबाती, समोआ, वानुअतु, नीयू, माइक्रोनेशिया के संघीय राज्य, मार्शल आइलैंड्स गणराज्य, कुक आइलैंड्स, पलाऊ, नाउरू और सोलोमन इस्लैंडस।
- इस समिट का उद्देश्य शिखर सम्मेलन नेताओं को भारत-प्रशांत क्षेत्र में विकास के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने और मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए अपनी दृष्टि को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

जी 7 देश

- जी 7 की स्थापना 25 मार्च 1973 को की गई थी।
- यह सात देशों का समूह है- कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका आदि।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक आर्थिक शासन और ऊर्जा नीति से संबंधित मामलों पर चर्चा कर उनका समाधान करना है।
- यह संगठन, दुनियां की अर्थव्यवस्था का 62% कवर करते हैं।
- जी 7 सम्मेलन प्रेसीडेंसी के द्वारा आयोजित किया जाता है और सदस्य राज्य बारम्बारता से इसकी अध्यक्षता करते हैं।
- जर्मनी में लीडर्स समिट के दौरान G7 देशों ने आधिकारिक रूप से ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट (PGII) के लिए पार्टनरशिप लॉन्च की।

जी 7 और भारत

- 2019 में रूस ने चीन, तुर्की और भारत को संगठन में शामिल करने के लिए समर्थन किया था।
- 2020 में अमेरिका ने भी भारत समेत ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील व दक्षिण कोरिया को शामिल करने के लिए समर्थन किया था।
- इस वर्ष भारत को जापान ने इस समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

स्रोत
Indian Express

Gunjan Joshi

रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार iDEX

संदर्भ- हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार के संदर्भ में 250 वे अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह मिशन डेफस्पेस के तहत पहला और SPRINT (नौसेना) का 100वां अनुबंध है।

रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार iDEX

- iDEX पहल माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अप्रैल 2018 में शुरू की गई थी।
- आईडीएक्स की स्थापना रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय और इसका कार्यान्वयन डीआईओ के द्वारा किया जा रहा है।
- iDEX को तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए देश के प्रमुख इन्क्यूबेटरों के साथ भागीदारी की है।

- डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (DISC) को नवप्रवर्तकों द्वारा समाधान के लिए सशस्त्र बलों और OFB/DPSUs से समस्या विवरण (PS) के साथ लॉन्च किया गया है।

रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार iDEX का उद्देश्य

- रक्षा क्षेत्र में योगदान देने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी व स्वदेशी तकनीक को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- देश में रक्षा और एयरोस्पेस ढांचे को विकसित करने में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया जाना।

मिशन डेफस्पेस

- रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) ने मिशन डेफस्पेस लॉन्च किया।
- इसका उद्देश्य अंतरिक्ष मिशन के हर चरण को संबोधित करने वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करना है।
- निजी क्षेत्र द्वारा संबोधित की जाने वाली 75 'रक्षा अंतरिक्ष चुनौतियों' के साथ मिशन डेफस्पेस अक्टूबर 2022 में गांधीनगर में डेफएक्सपो के दौरान लॉन्च किया गया था।
- यह मिशन योजना से उपग्रह डेटा एनालिटिक्स, रक्षा भारत स्टार्ट-अप चैलेंज (डिस्क 8) और आईडीईएक्स प्राइम (अंतरिक्ष) मिशन डेफस्पेस के तहत 75 प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स के साथ लॉन्च किया गया है।

मिशन डेफस्पेस की चुनौतियां

- **लांच**– एकीकृत प्रक्षेपण नियंत्रण केंद्र के साथ छोटे उपग्रह (650 किलोग्राम तक) के लिए परिवहनीय / मोबाइल प्रक्षेपण प्रणाली,
- **सैटेलाइट**- लियो में उपग्रहों के साथ संचार करने में सक्षम हाई स्पीड ऑप्टिकल इंटर- सैटेलाइट लिंक वाले जियो डेटा रिले सैटेलाइट का विकास,
- **संचार** – मल्टीबैंड प्रोग्रामेबल आरएफ सेंसर सैटेलाइट का विकास,
- **ग्राउंड/सॉफ्टवेयर सिस्टम** – एआई आधारित एनालिटिक्स के साथ एक नेटवर्क में ऑप्टिकल और रडार सेंसर का एकीकरण।

डेफस्पेस(रक्षा अंतरिक्ष) अनुबंध

- अनुबंध के तहत इस तकनीक के द्वारा डेफस्पेस द्वारा विकसित किए गए क्यूबसैट व उपग्रहों के कक्षा सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकेगा।
- क्यूबसैट, छोटे उपग्रहों का एक सैट है जो लांच करने, संचार करने व खुफिया निगरानी के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- वे लॉन्च-ऑन-डिमांड क्षमताओं के लिए कम लागत वाले महत्वपूर्ण घटकों का निर्माण करते हैं।
- अंतरिक्ष स्टार्ट अप इंस्पेसिटी को मिशन डेपस्पेस से पहले iDEX से सम्मानित किया जाता है।

स्प्रिंट(नौसेना) अनुबंध

- सिलिकॉनिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 100 वे स्प्रिंट अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- सिलिकॉनिया टेक्नोलॉजी ने एक प्रोटोटाइप के परिकल्पना की जिसमें लाइटवेट एएसआईसी (एप्लीकेशन-स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट) आधारित संचार प्रणाली है, जो निम्न के लिए सॉफ्टवेयर – परिभाषित एंटीना का उपयोग करती है।
- यह लो अर्थ ऑर्बिट, मीडियम अर्थ ऑर्बिट और जियोस्टेशनरी सैटेलाइट कम्युनिकेशन के साथ संचार के लिए सॉफ्टवेयर आधारित एंटिना का प्रयोग करते हैं।
- **इस पहल का लक्ष्य** अगस्त 2023 तक कम से कम 75 तकनीकों और उत्पादों को नौसेना में शामिल करना है।

स्रोत
The Hindu

Gunjan Joshi

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com